## न्यूज डायरी

### चीनी एक्सपर्ट्स ने चेताया, लद्दाख में मुस्तैद दोगुना ज्यादा भारतीय जवान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेइचिंग। भारत के साथ सीमा पर तनाव के बीच चीन ने देशभर से अपनी सेनाएं LAC से कुछ दूर तैनात कर रखी हैं। हालांकि, चीन के अंदर ही एक्सपर्ट्स चेतावनी दे रहे हैं कि भारत ने अपनी सेनाएं दोगुनी कर दी हैं। इसलिए ड्रैगन को किसी भी वक्त अचानक हमले के लिए अलर्ट रहना चाहिए। चीन के रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल वॉन्ग हॉन्गुआंग के हवाले से साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने यह बात कही है। अखबार के मुताबिक वॉन्ग ने रक्षा से जुड़े सोशल मीडिया अकाउंट लि जियान पर एक आर्टिकल में यह चेतावनी दी है। उन्होंने लिखा है, श्भारत को LAC पर सिर्फ 50 हजार सैनिकों की जरूरत होती है लेकिन इस बार सर्दी आने पर सैनिक कम करने की जगह उसने एक लाख और सैनिकों को लद्दाख भेज दिया है। भार ने LAC के पास सैनिक दो–तीन गुना बढ़ा दिए हैं। इनमें से ज्यादातर चीनी क्षेत्र से 50 किमी दूर खड़े हैं और कुछ ही घंटों में चीन के अंदर आ सकते हैं।

### चीन के स्वास्थ्य अधिकारी ने दावा किया, WHO ने किया था तभी सपॉर्ट

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेइचिंग। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक्सपेरिमेंटल कोरोना वायरस वैक्सीन को क्लिनिकल ट्रायल के दौरान ही लोगों को देने के लिए चीन को अपना सपॉर्ट दिया था। चीन के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने शुक्रवार को यह दावा किया है। चीन ने अपने इमर्जेंसी प्रोग्राम को जुलाई में लॉन्च किया था। देश के नैशनल हेल्थ कमिशन अधिकारी झेंग झॉन्गवेई का कहना है कि इस बारे में WHO को जून के आखिर में बता दिया गया था। ऐसे हजारों को वर्कर्स और दूसरे सीमित समूहों को वैक्सीन दी गई थी, जिन्हें इन्फेक्शन का खतरा ज्यादा था। हालांकि, तब तक बिना तीसरे चरण के ट्रायल के वैक्सीन के असर और सुरक्षा के बारे में पुख्ता जानकारी नहीं थी। झेंग ने एक कॉन्फ्रेंस में बताया है कि चीन के स्टेट काउंसिल ने इमर्जेंसी प्रोग्राम के तहत वैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी थी। झेंग ने दावा किया, श्मंजूरी के बाद 29 जून को चीन में WHO के ऑफिस के संबंधित प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी गई थी।

### सिंधी–बलोच लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ जेनेवा में किया प्रोटेस्ट

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें अधिवेशन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत को लेकर झूठ पर झूठ बोले। उन्होंने भारत में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाते हुए विश्व पटल पर मानवाधिकार को लेकर अपनी श्फर्जीश संवेदना जाहिर की। वहीं शुक्रवार को ही जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र भवन के सामने पाकिस्तान के खिलाफ एक प्रोटेस्ट का आयोजन किया गया था, जिसमें बलोच मानवाधिकार काउंसिल और विश्व सिंधी कॉन्ग्रेस के लोगों ने हिस्सा लिया। जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार काउंसिल का 45वां सत्र आयोजित किया जा रहा है। इसी दौरान BHRC और WSC के प्रोटेस्टर्स ने संयुक्त राष्ट्र भवन के सामने पाकिस्तान में बलूच और सिंधी लोगों के खिलाफ सांस्थानिक राज्य हिंसा और पाकिस्तानी सेना द्वारा इन लोगों के सामाजिक–आर्थिक दमन का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

### मोदी ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से वार्ता की

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के साथ अनेक विषयों पर बातचीत की जिनमें द्विपक्षीय संबंध तथा महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने जैसे विषय शामिल रहे। डिजिटल द्विपक्षीय शिखर–वार्ता में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि श्रीलंका में राजपक्षे सरकार की नीतियों के आधार पर चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी की बड़ी जीत दोनों देशों के बीच सहयोग को और गहन बनाएगी। उन्होंने कहा, ''चुनाव में आपकी पार्टी की विजय के बाद भारत–श्रीलंका के संबंधों में एक नये अध्याय की शुरुआत का अवसर आया है। दोनों देशों के लोग नयी उम्मीद और अपेक्षाओं के साथ हमें देख रहे हैं।'' राजपक्षे ने नौ अगस्त को नये कार्यकाल के लिए श्रीलंकाई पीएम के रूप में शपथ ली थी।

# डब्ल्यूएचो ने फिर किया चीन का बचाव, बोले– प्राकृतिक है वायरस

**बचाव**

## चीनी वैज्ञानिक ने किया था दावा, वुहान लैब में पैदा हुआ वायरस

साइंटिफिक प्रक्रिया को मानते हैं हम, भारतीय पत्रकार के सवाल पर WHO चीफ का जवाब

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

वॉशिंगटन। करीब 9 महीने पहले चीन के वुहान से कोरोना वायरस फैलना शुरू हुआ था। उसके बाद से अब तक दुनियाभर में करीब 10 लाख लोगों की मौत हो चुकी है लेकिन उससे जुड़े सवाल अनसुलझे हैं। इस बारे में जब भारत के एक पत्रकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन चीफ टेड्रोस ऐडनम से सवाल किया कि क्या कोरोना वायरस चीन से आया है, तो उन्होंने एक बार फिर चीन का बचाव किया।

**प्राकृतिक रूप से आया वायरसः** डब्ल्यूएचओ चीफ शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मीडिया से बात कर रहे थे। इस दौरान भारत के पत्रकार ने उनसे उन दावों के बारे में सवाल किया कि कोरोना वायरस चीन के वुहान की वायरॉलजी लैब में पैदा हुआ है। इस पर उन्होंने कहा, 'WHO विज्ञान और सबूतों में विश्वास करता है। मीडिया इंटरव्यू में किसी ने कहा कि वायरस लैब से आया है लेकिन जहां तक हमारी बात है, जितने प्रकाशन हमने देखे हैं उनमें कहा गया है कि वायरस प्राकृतिक रूप से आया है।

**विज्ञान का पालन करें:** ऐडनम ने आगे कहा, अगर कोई चीज इसे बदलने वाली है तो वह साइंटिफिक प्रक्रिया के जरिए आएगी। जो भी मीडिया में आकर कुछ कहता है, हम कुछ नहीं कह सकते। हम उनसे कहेंगे कि साइंटिफिक प्रक्रिया का पालन करें। बता दें कि चीन से जान बचाकर भागीं वैज्ञानिक ली–वेंग यान ने दावा किया है कि वायरस चीन की लैब में ही पैदा हुआ और वहीं से फैला।

**चीन से भागीं वैज्ञानिक का दावा** डॉ. यान ने कहा था, श्पहली बात तो यह है कि वुहान के मीट मार्केट को पर्दे के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है और वायरस प्राकृतिक नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि वायरस कहां से आया तो उन्होंने कहा कि वुहान के लैब से। उन्होंने कहा, जीनोम सीक्वेंस इंसानी फिंगर प्रिंट जैसा है। इस आधार पर इसकी पहचान की जा सकती है।श यान ने कहा था कि वह सबूतों के आधार पर बता सकती हैं कि कैसे यह चीन की लैब से आया है।

**वैक्सीन पर भी WHO का चीन को सपॉर्ट:** वहीं, चीन के स्वास्थ्य अधिकारी ने दावा किया है कि देश की कोरोना वैक्सीनों को तीसरे चरण का ट्रायल खत्म होने से पहले लोगों को देने के फैसले का WHO ने समर्थन किया था। अधिकारी के मुताबिक इमर्जेंसी प्रोग्राम के तहत एक्सपेरिमेंटल वैक्सीनें ऐसे लोगों को दिए जाने का फैसला किया गया था जिन्हें वायरस से इन्फेक्शन का खतरा ज्यादा था। इसके बारे में जब WHO को जानकारी दी गई तो उसने सपॉर्ट किया था।

## चीन की चुनौती से निपटने के लिए चारों फनंक देश आए साथ

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

वॉशिंगटन। दक्षिण एशिया से लेकर प्रशांत महासागर तक अपनी आक्रामक गतिविधियों के चलते परेशानी का सबब बन चुके चीन से निपटने के तरीके ढूंढने में फनंक (क्वॉड्रिलेटरल सिक्यॉरिटी डायलॉग) देश लगे हैं। चारों देशों– भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के सीनियर अधिकारियों ने शुक्रवार को बैठक की और इंडो–पैसिफिक क्षेत्र को फ्री और ओपन बनाने के लिए कदम उठाने पर चर्चा की। इसके अलावा कोरोना वायरस की महामारी से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। गौरतलब है कि अगले महीने चारों देशों के विदेश मंत्री टोक्यो में मिल सकते हैं।

**कोरोना वायरस, क्षेत्रीय शांति पर चर्चा:** वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित बैठक में कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्टर डिवेलपमेंट और सिक्यॉरिटी, काउंटर–टेररिज्म, साइबर–मैरीटाइम सिक्यॉरिटी और इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और संपन्नता पर चर्चा की गई। अमेरिका ने बयान जारी कर बताया, श्चारों लोकतांत्रिक देशों ने इस बात की चर्चा की कि कैसे कोरोना वायरस की महामारी से साथ मिलकर लड़ा जा सकता है, पारदर्शिता को प्रमोट कर गलत जानकारी को खत्म किया जा सकता है और क्षेत्र की नियम–व्यवस्था की रक्षा की जा सकती है।

### वैक्सीन से पहले 20 लाख लोगों की मौत हो सकती है

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। कोरोना वायरस से बचाव के लिए दुनियाभर में 150 से ज्यादा वैक्सीनों पर काम चल रहा है। हालांकि, सफल वैक्सीन के सबको मिलने से पहले ही कोविड–19 के कारण दुनियाभर में 20 लाख लोगों की मौत हो सकती है। यह आशंका WHO के इमर्जेंसी प्रोग्राम के हेड माइक रायन ने जताई है। चीन में फैलने के बाद से 9 महीने में ही अब तक कोरोना के कारण करीब 10 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। रायन ने चेतावनी दी है कि यूरोप में इन्फेक्शन और लोगों को अस्पताल में भर्ती करने की दर बढ़ती जा रही है और इंफ्लुएंजा सीजन से पहले इसे नीचे लाना होगा। WHO ने यह भी बताया है कि चीन से COVAX स्कीम में शामिल होने को लेकर बात की जा रही है ताकि दुनिया को जल्द वैक्सीन पहुंचाई जा सके।

# भारत के खिलाफ हिंदुओं के विरोध प्रदर्शन का सच

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

इस्लामाबाद। भारत के खिलाफ राग अलापने की पाकिस्तान सरकार की आदत इस कदर बैठ गई है कि देश के अंदर ही झूठ का सहारा लिया जाने लगा है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान सरकार के मंत्री भारत को घेरने की कोशिश करते हैं। वहीं, पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के सांसद ने एक कदम आए निकल गए। उन्होंने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के बाहर हिंदुओं के विरोध प्रदर्शन का नाटक करा डाला जिसकी पोल अब खुल गई है।

**यात्रा बोलकर लाया गयाः** दरअसल, इस्लामाबाद में भारतीय

### यात्रा के नाम पर जुटाए गए थे लोग

उच्चायोग के सामने भारत का विरोध कर रहे हिंदुओं का वीडियो सामने आया था। इससे सब हैरान हो गए थे। अब इसमें शामिल हुए प्रदर्शनकारियों ने बताया है कि उन्हें यह बताया ही नहीं गया था कि इस्लामाबाद भारत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए जाना है बल्कि यह कहा गया था कि यात्रा के लिए जाना है। एक शख्स ने बताया है कि कराची से दो दिन पहले उन लोगों को फ्री यात्रा बोलकर लाया गया था।

**वापस पहुंचाने की गुजारिशः** उन्होंने बताया, जब हम यहां पहुंचे तो पहले यात्रा के नाम पर

भूखा–प्यासा घुमाया गया और फिर विरोध प्रदर्शन के लिए खड़ा कर दिया गया। लोग वापस कराची जाना चाहते हैं लेकिन सिक्यॉरिटी जाने नहीं दे रही। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों समेत परिवार यहां फंसे हुए हैं और वापस कराची जाने में मदद करने की अपील की। भारत के राजस्थान में जोधपुर में पाकिस्तान के 11 हिंदुओं की मौत को लेकर विरोध प्रदर्शन का दावा किया गया था।

### भारत का नाम लिए बिना सीमा विवाद की ओर इशाराः ओली

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** संयुक्त राष्ट्र। भारत के साथ हाल में पैदा हुए सीमा विवाद के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर देश की अखंडता की रक्षा करने की बात कही। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से इस विवाद का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने भारत का नाम नहीं लिया। ओली ने रिकॉर्डेड वीडियो के जरिए अपने संबोधन के दौरान कहा, नेपाल की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए और पड़ोसी देशों और दुनिया के दूसरे सभी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि मई से लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को लेकर भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद है। इसके चलते नेपाल ने अपना नया नक्शा तक जारी कर दिया था। ओली ने इसके अलावा कोरोना वायरस की महामारी के समाज और अर्थव्यवस्था पर पड़े असर पर बात की। उन्होंने कहा कि सरकार का कर्तव्य था कि लोगों को इस घातक बीमारी और भूख, दोनों से बचाया जाए। उन्होंने कोरोना वायरस की वैक्सीन को कम दाम पर लोगों तक पहुंचाए जाने की जरूरत बताई।